India's Largest Online Community for IAS, Civil Services Aspirants

UPSC PORTAL

http://www.upscportal.com

IAS | PCS | SCRA | NDA | CDS | Bank PO

एवं अन्य आफिसर्स ग्रेड के प्रारंभिक और मुख्य परीक्षाओं हेतु अत्यंत उपयोगी

भारत

2012

अध्यायवार संकलन

संक्षिप्त

सच्चिदा नन्द झा

www.upscportal.com

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

अध्याय 1

भारत भूमि और उसके निवासी

- ष्रू:-१-ा ाद्धरु-ंद्ध द्धए .ष्घ्ष्ा ा ण्ड . द्द
  ऋए द्ध ाध्द्धष्ा ा रू
- य ा ढ> झ्य ाद्द/ष्ा ।ए ब झ ऋए: रू रू द्ध ा क्य
  द्ध ा8°4' द्धए37°6' द्द/ण्ड श्र श्ा ण्ड68°7' द्धए97°25
  ढ- झ्ष्ए रुण्ड-ए्र ौ ाढठा क्ष्रू द्ध ा:- रुण्डद्द/ण्डद्धए
  द्द:श्र>ारु ा3,214 : द्धा ण्डढ-झ्द्धए:श्र‡ ारु ा2,933
  : ा रू
- ढ- झ्य फद्द - ण्ड ठ । ि2.400 : ा ाद्दष्ारु ाढठ
  ,ाप ऋए240 : ाद्धए320 : ारु ा‡ .ष्ठ रू
- :द्धश्र्व ण्ड ।’।ा ऋए द्द ाठ । ि2,400 : ाठ्’ऋए ष्
  240 द्धए320 : ारु ा‡ .ऋए रू
- द्द:श्र> ाढझ्र ढ ाढड ण्ड460 द्धए1,220 छण्डरु ा ए
  द्द ौऋएढ- झ्रु ाढ :. ण्रऋए ाट ङ्क ठ ऋएस ष्ा :द्धश्र्व ष्
  ।’।ा -ए्र द्द ऋएद्धएढच ा ऋएप रुा रू फ ं य
  2,440 छण्ड द्धए :श्र ा रू
- भारत इस समय खाद्यान्न उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर है; तथा विश्व के औद्योगिक क्षेत्र में इसका **दसवां** स्थान है। अंतरिक्ष में जाने वाले देशों में इसका **छठा** स्थान है। इसका क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग कि.मी. है।
- इसकी भूमि सीमा लगभग 15, 200 कि.मी. है। मुख्य भूमि, लक्षद्वीप समूह और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह सहित देश के समुद्र-तट की कुल लंबाई7,516.6 कि.मी. है।
- चुंबी घाटी से होते हुए मुख्य भारत-तिब्बत व्यापार मार्ग पर जेलप-ला और नाथू-ला दर्रे, उत्तर-पूर्व दार्जिलिंग तथा कल्पा (किन्नोर) के उत्तर-पूर्व में सतलुज घाटी में शिपकी-ला दर्रा।
- दक्षिणी प्रायद्वीप के मुख्य भाग हैं - **अरावली, विंध्य, सतपुड़ा, मैकाल और अजंता।** प्रायद्वीप के एक तरफ पूर्वी घाट है, जहां औसत ऊँचाई 610 मीटर के करीब है और दूसरी तरफ पश्चिमी घाट है, जहां यह ऊँचाई साधारणतया 915 से 1,220 मीटर है।
- पश्चिमी घाट और अरब सागर के बीच समुद्री तट की एक संकरी पट्टी है, जबकि पूर्वी धाट और बंगाल की खाड़ी के बीच **चौड़ा** तटीय क्षेत्र है।
- पठार का यह दक्षिणी भाग **नीलगिरि** की पहाड़ियों से बना है, जहां **पूर्वी और पश्चिमी घाट** मिलते हैं। इसके पार फैली कार्डामम पहाड़ियां पश्चिमी घाट का विस्तार मानी जाती है।

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

नदी प्रणालियां

- **नदियां:** भारत की नदियां चार समूहों में वर्गीकृत की जा सकती है- (1) हिमालय की नदियां, (2) प्रायद्वीपीय नदियां, (3) तटीय नदियां और (4) अंत:स्थलीय प्रवाह क्षेत्र की नदियां।
- तटीय नदियां, विशेषकर पश्चिमी तट की, कम लंबी हैं और इनका जलग्रहण क्षेत्र सीमित है।
- सिंधु और गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदियों से हिमालय की मुख्य नदी प्रणालियां बनती हैं।
- यमुना, रामगंगा, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा और सोन नदियां गंगा की प्रमुख सहायक नदियां हैं। चम्बल और बेतवा महत्वपूर्ण उप-सहायक नदियां हैं, जो गंगा से पहले यमुना में मिलती हैं। पद्मा और ब्रह्मपुत्र बंग्लादेश के अंदर मिलती हैं और पदमा या गंगा के रूप में बहती रहती है। ब्रह्मपुत्र का उद्भव तिब्बत में होता है जहां इसे '**सांगपो**' के नाम से जाना जाता है।
- अरूणाचल प्रदेश में इसे **दिहांग** नाम मिल जाता है। **पासीघाट** के निकट, दिबांग और लोहित ब्रह्मपुत्र नदी में मिल जाती है।
- मेघना की मुख्यधारा बराक नदी का उद्भव मणिपुर की पहाड़ियों में होता है। इसकी मुख्य सहायक नदियां माकू, तरंग, तुईवई, जिरी, सोनाई, रूकनी, काटाखल, धलेश्वरी, लांगचिन्नी, मदुवा और जटिंगा हैं।
- सबसे बड़ा थाला दक्षिणी प्रायद्वीप में गोदावरी का है। इसमें भारत के कुल क्षेत्र का लगभग **10** प्रतिशत भाग शामिल है। **प्रायद्वीपीय भारत में दूसरा** सबसे बड़ा थाला **कृष्णा नदी** का है और **तीसरा** बड़ा थाला **महानदी** का है।
- **पेड़-पौधे:** भारत को **आठ** वनस्पति क्षेत्रों में बांटा जा सकता है – पश्चिमी हिमालय, पूर्वी हिमालय, असम, सिंधु का मैदान, गंगा का मैदान, दक्कन, मालाबार और अंडमान।
- असम क्षेत्र में **ब्रह्मपुत्र और सुरमा** घाटियां आती हैं, जिनमें सदाबहार जंगल हैं और बीच-बीच में घने बांसों तथा लंबी घासों के झुरमुट हैं।
- दक्कन क्षेत्र में भारतीय प्रायद्वीप की सारी पठारी भूमि शामिल है, जिसमें पतझड़ वाले वृक्षों के जंगलों से लेकर तरह-तरह की जंगली झाड़ियों के वन हैं। मालाबार क्षेत्र के अधीन प्रायद्वीप तट के साथ-साथ लगने वाली पहाड़ी तथा अधिक नमी वाली पट्टी है। इस क्षेत्र में घने जंगल हैं। इसके अलावा, इस क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण व्यापारिक फसलें जैसे - नारियल, सुपारी, काली मिर्च, काफी, चाय, रबड़ और काजू

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

की खेती होती है। अंडमान क्षेत्र में सदाबहार, अर्द्ध–सदाबहार, कच्छ वनस्पति, समुद्रतटीय और अप्लावी जंगलों की अधिकता है। कश्मीर से अरूणाचल प्रदेश तक के पर्वतीय श्रेणियों में ऐसे देशी पेड़ पौधों की अधिकता है, जो दुनिया में अन्यत्र कहीं नहीं मिलते।

पेड़–पौधे

- वन संपदा की दृष्टि से भारत का विश्व में **दसवां** और एशिया में **चौथा** स्थान है। लगभग **70** प्रतिशत भू–भाग का सर्वेक्षण करने के पश्चात् **भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण संस्था** ने पेड़–पौधों की 47 हजार प्रजातियों का पता लगाया है। वाहिनी वनस्पति के अंतर्गत 15 हजार प्रजातियां हैं। इसमें से 35 प्रतिशत के लगभग प्रजातियां देशी हैं, जो विश्व में और कहीं नहीं पाई जातीं। देश के पेड़–पौधों का विस्तृत अध्ययन **भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण संस्था** और देश के विभिन्न भागों में स्थित उसके 9 क्षेत्रीय कार्यालयों तथा कुछ विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संगठनों द्वारा किया जा रहा है।

- ढ:श्भ ५: ठकथ्क्ष श्र फ्छ्ष्ए-क द३रु ५ढठ५ रू छ्थ्क्ष-ष्ठ्श रुफ्५ :छ्र श्रक फ्र नृ्भ .फ्र्द्दए्द्द ट, श्ट्रक्क्ष ८५-द्दनृफ एब क्च फ्भ .षढ/५- ठफ्र्श रुफ् -द्दनृ-ष्- नृ ५ फ्कि रुढ-ज्ञ: ठक ५थ्क्ष :छ्इ ५छ्गढ- ज्ञ ५ ष्छ्एश्क ष्क्ष५ फ छ्-ए रु।क्ष द:ट क्ष'।,५-कक्ष'फ्र फद्द्ध-ष्द्ध ५ठ ार्ए । रुए रू छ्श रुफ्५थ्क्ष नृ ए,५ट य-द्द,५:स्बठ, .प्पढठनृ- ठ५छ्इ फ-द्द५ फी छ्क्ष, ष्क-ष्ट'।ठ ढट५ट रुए रू:छ्क्ष-ष् द ५थ्क्ष नृढट. ,५ढ:श्भ ढट ५ फद/८५।घ्ट रू-ष् द ५श : ठ रूय थ्क्षश क५ फ।ज्ञ५ फ छ्नृढज्ञ :रु ५- ढ:रुय' : ठरु५ रू।'।५-ष् द ५थ्क्ष ५ :श्र रुफ । ी ८५ द ५५ फ छ्नृ।एफ्भ-ठ५ फ।'नृ

- म ष्क्ष५ ष्क्ष५ रू-एठ५ ए्प्छ्ए फ्र नृ-: '५ढज्ञ फ-ए ट'।ठ रू

- वनस्पति नृजाति विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों की 800 प्रजातियों की पहचान की गई और देश के विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों से उन्हें इकट्ठा किया गया है।

- पौधों की लगभग 1336 प्रजातियों के लुप्त होने का खतरा है तथा लगभग 20 प्रजातियां पिछले 60 से 100 वर्षों के दौरान दिखाई नहीं पड़ी है। ये प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण **रेड डाटा बुक** नाम से लुप्त प्राय पौधों की सूची प्रकाशित करता है।

- **जीव–जन्तु: भारतीय प्राणी सर्वेक्षण विभाग,** जिसका मुख्यालय **कोलकाता** में है, विभिन्न हिस्सों में अपने 16 क्षेत्रीय केंद्रों के जरिए भारत में जीव –जंतुओं की विभिन्न जातियों के सर्वेक्षण का कार्य करता है।

- ट ठ- यक्र फढज्ञ :रु ५- रु-८५ ५प्म ढ ५: ' रु५-ए ८५ ष्क्ष नृ91307 ट फ छ्ए :श्र ५: ५-ए ट -फ रुक्ष्ढ ट५ ट रुए रू

- घड़ियाल सिर्फ भारत में ही पाए जाते हैं। पूर्वी तट और अंडमान –निकोबार द्वीप समूह में खारे पानी के मगरमच्छ पाए जाते हैं। सन् **1974** में शुरू की गई **मगरमच्छ पालन योजना** के जरिए मगरमच्छों की नस्ल को लुप्त होने से बचाया जा रहा है।

जनसंख्या पृष्ठभूमि

- ष्क्ष ५ट ।? ५2011, छ्र1872-ष् ह क्ष5-' ट ।? ५ रू

- ठ५ङ्र श्क्ष्र ङ्र ठ ण्ड - छ्रु:ठ ५ फ - छ् ।? ५क ढक्क छ्ए:छ्रु' फ2010म रु ५ट छ्य५।? क्9 बट-८५ छ्28 बट-८५ 2011म्रू

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

- ❖ ढ्ढग़ ठ्ठ भ्ह्र2011 ढ्ढ0.00 प्त्रूरु ठ्ठ त्ए ’ .त्र्ष् : ठ : यठ्ठ ।य रू- ब ह्रद्गष्द्ग त्ए त्ए ।ह्र ठ्ठ 11 ढ्ढ30 :ढ्ढरु’ ष -ष्ट्ठष ठ्ठ यत्एरू ठ्ठ । ह्र
- ❖ भारत की कुल आबादी–121.02 करोड़, पुरुष 62.37 करोड़ तथा महिलाएं–58.65 करोड़।
- ❖ **जनसंख्या घनत्व (2001-2011):** 2001 में घनत्व–325, 2011 में घनत्व– 382, यानी 17.5 प्रतिशत का अंतर (घनत्व का अर्थ प्रति वर्ग किमी में व्यक्तियों की संख्या है)।
- ❖ **जनसंख्या 2011 का लिंग संयोजन:** जनगणना 2001 से अब तक (2011) राष्ट्रीय स्तर पर लिंगानुपात 7 पॉइंट बढ़कर 940 हो गया है। 1971 को जनगणना से अब तक यह सर्वाधिक अधिक रिकार्ड किया गया है और 1961 से हल्का–सा–नीचे।
- ❖ केरल में सबसे कम 9.43 और नागालैंड में सबसे अधिक 64.52 प्रतिशत जनसंख्या वृद्घि दर्ज की गई। यर :ढ,ठ्ठ प ।ह्र ठ्ठक :रु म्र 2011 ठ्ठढ्ढ ‘यक ढ्ड्ढह्म् ढ्ढढ्डह्य ष्ठ ह्ल
- ❖ स्त्री–पुरुष अनुपात को इस रूप में परिभाषित किया जाता है कि प्रति 1000 पुरुषों के अनुपात में स्त्रियों की संख्या कितनी है।

स्त्री–पुरुष अनुपात: 1901-2001

जनगणना वर्ष	स्त्री–पुरुष अनुपात (1000 पुरुषों पर महिलाएं)
1901	972
1911	964
1921	955
1931	950
1941	945
1951	946
1961	941
1971	930
1981	934
1991	927
2001	933

इसमें एक निश्चित समय पर समाज में स्त्री–पुरुषों के बीच संख्यात्मक समानता का आकलन किया जाता है। देश में स्त्री–पुरुष अनुपात हमेशा स्त्रियों के प्रतिकूल रहा है। बीसवीं शताब्दी के आरंभ में यह अनुपात 972 था और उसके बाद 1941 तक इसमें निरंतर कमी का रुख रहा।

साक्षरता

- ❖ जनगणना 2011 की कुल अनंतिम आबादी के मुताबिक, साक्षरता प्रतिशत कुल आबादी का 74 प्रतिशत और निरक्षरता का प्रतिशत 26 है।
- ❖ साक्षरता दर 2001 में 64.83 प्रतिशत थी जो 2011 बढ़कर 74.04 प्रतिशत हो गई है। यानी 9.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।
- ❖ यह जानना उत्साहजनक है कि कुल 217,700,941 साक्षरों की संख्या पिछले दशक के दौरान बढ़ी है। इनमें 110,069,001 महिलाएं तथा 107,631,940 पुरुष हैं अर्थात् महिलाओं की संख्या से ज्यादा है।
- ❖ साक्षरता की दृष्टि से केरल सबसे ऊपर है जहां साक्षरता दर 90.86 प्रतिशत है। उसके बाद मिजोरम में 88.8 प्रतिशत और लक्षद्वीप 88.66 प्रतिशत से दूसरे और तीसरे स्थान पर है।
- ❖ बिहार में साक्षरता दर सबसे कम 47 प्रतिशत है। झारखंड में उससे अधिक 53.56 प्रतिशत और जम्मू–कश्मीर में 55.52 प्रतिशत है।
- ❖ केरल में पुरुष और स्त्रियों की अलग–अलग साक्षरता भी सबसे अधिक है। यहाँ के 94.24 प्रतिशत पुरुष और 87.72 प्रतिशत महिलाएं साक्षर हैं।
- ❖ इसके विपरीत सबसे कम साक्षरता दर राज्य बिहार में 59.68 प्रतिशत पुरुष और 33.12 प्रतिशत महिलाएं साक्षर है।

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

- एक मार्च, 2001 को भारत की जनसंख्या एक अरब 2 करोड़ 80 लाख (532.1 करोड़ पुरुष और 496. 4 करोड़ स्त्रियां) थी। भारत के पास 1357.90 लाख वर्ग कि.मी. भू-भाग है जो विश्व के कुल भू-भाग का मात्र **2.4** प्रतिशत है फिर भी विश्व की **16.7** प्रतिशत आबादी का भार उसे वहन करना पड़ रहा है।
- बीसवीं शताब्दी की शुरूआत में भारत की आबादी करीब 23 करोड़ 84 लाख थी जो बढ़कर इक्कीसवीं शताब्दी में 1 अरब 2 करोड़ 80 लाख तक पहुंच गई।
- 1991-2001 की जनगणना अवधि के दौरान **केरल** में सबसे कम **43** और **नगालैंड** में सबसे अधिक **53** प्रतिशत जनसंख्या वृद्धि दर्ज की गई।
- **आबादी का घनत्व:** पश्चिम बंगाल अभी भी सबसे सघन आबादी वाला राज्य है। यहां 2001 में आबादी का घनत्व **903** था। **बिहार अब दूसरे** स्थान पर है जबकि आबादी के घनत्व के हिसाब से **केरल** का स्थान **तीसरा** है।
- **साक्षरता:** ऐसे व्यक्ति को साक्षर नहीं माना गया है जो केवल पढ़ सकता है परंतु लिख नहीं सकता। वर्ष 1991 से पूर्व हुई जनगणनाओं में **5 वर्ष** से कम आयु के बच्चों को अनिवार्य रूप से निरक्षर माना जाता था। देश में साक्षरता दर **64.84 प्रतिशत** है। पुरुषों की साक्षरता दर **75.26** प्रतिशत तथा महिलाओं की साक्षरता दर **53.67 प्रतिशत** है। केरल में पुरुष और स्त्रियों की अलग-अलग साक्षरता भी सबसे अधिक है।

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

अध्याय 2
राष्ट्रीय प्रतीक

- **राष्ट्रीय ध्वज:** ध्वज की चौड़ाई – लंबाई का अनुपात 2 :3 है। भारत की संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप **22 जुलाई, 1947** को अपनाया।
- 26 जनवरी, 2002 से **'ध्वज संहिता-भारत'** का स्थान, **भारतीय ध्वज संहिता, 2002** ने ले लिया है। परंतु राजचिन्ह और नामों के अधिनियम (दुरूपयोग की रोकथाम) 1950 और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के अनादर की रोकथाम संबंधी अधिनियम 1971 तथा इस विषय से संबंधित अन्य कानूनों में दी गई व्यवस्थाओं का पालन करना होगा।
- **राजचिन्ह:** भारत का राजचिन्ह सारनाथ स्थित अशोक के सिंह स्तंभ से लिया गया हैं, मूल स्तंभ के शीर्ष पर चार सिंह हैं, जो एक-दूसरे की ओर पीठ किए हुए हैं। इसके नीचे घंटे के आकार के पद्म के ऊपर एक चित्र वल्लरी में एक हाथी, चौकड़ी भरता हुआ एक घोड़ा, एक सांड तथा एक सिंह की उभरी हुई मूर्तियां हैं।
- **यह राज चिन्ह को 26 जनवरी, 1950** को अपनाया गया। फलक के नीचे **मुंडकोपनिषद्** का सूत्र **'सत्यमेव जयते'** देवनागरी लिपि में अंकित है।
- **राष्ट्रगान:** रवींद्रनाथ ठाकुर द्वारा मूल रूप से **बंगला** में रचित और संगीतबद्ध **'जन-गण-मन'** के हिंदी संस्करण को संविधान सभा ने भारत के राष्ट्रगान के रूप में **24 जनवरी, 1950** को अपनाया था। यह सर्वप्रथम 27 दिसम्बर, 1911 को भारतीय कांग्रेस के कलकता अधिवेशन में गाया गया था। राष्ट्रगान के गायन की अवधि लगभग 52 सेकेंड है। संक्षिप्त अवधि 20 सेकेंड है जिसमें इसकी प्रथम और अंतिम पंक्तियां गायी जाती है।
- **राष्ट्रगीत:** बंकिमचंद्र चटर्जी ने राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् की रचना की जो स्वतंत्रता संग्राम में जन-जन का प्रेरणा स्रोत था। **1896** में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन में पहली बार इसे गाया गया था।
- **राष्ट्रीय पंचांग (कैलेंडर):** ग्रिगेरियन कैलेंडर के साथ-साथ देश भर के लिए **शक संवत्** पर आधारित एकरूप राष्ट्रीय पंचांग, जिसका पहला महीना चैत्र है, और सामान्य वर्ष 365 दिन का होता है। **22 मार्च, 1957** को इन सरकारी उद्देश्यों के लिए अपनाया गया। राष्ट्रीय पंचांग ओर ग्रिगेरियन कैलेंडर की तारीखों

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

में स्थायी सादृश्य है। चैत्र का पहला दिन सामान्यतया **22 मार्च** को और अधिवर्ष में 21 मार्च को पड़ता है।

- ❖ **राष्ट्रीय पशुः** भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ को अपनाया गया है। इसकी आठ प्रजातियों में से भारत में पाये जाने वाले रायल बंगाल टाईगर के नाम से जाना जाता है। उत्तर-पश्चिम भारत को छोड़कर बाकी सारे देश में यह प्रजाति पाई जाती है। इसके संरक्षण के लिए **अप्रैल 1973** में **बाघ परियोजना** शुरू की गई। बाघ परियोजना के अंतर्गत देश में अब तक **38 बाघ अभ्यारण** स्थापित किए गए हैं।
- ❖ **भारत का राष्ट्रीय पक्षीः** भारत का राष्ट्रीय पक्षी **मोर** (पावो क्रिस्टेटस) है। **भारतीय वन्य प्राणी** (सुरक्षा) अधिनियम के अंतर्गत इसे पूर्ण संरक्षण प्राप्त है।
- ❖ **राष्ट्रीय पुष्पः** भारत का राष्ट्रीय पुष्प कमल (नेलम्बो न्यूसिफेरा) है।
- ❖ [illegible]
- ❖ [illegible]

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

अध्याय 3

राजनीतिक संरचना

- भारत गणराज्य उस संविधान की व्यवस्थाओं के अनुसार प्रशासित होता है जो **26 नवंबर, 1949** को संविधान सभा द्वारा **स्वीकृत** किया गया और **26 जनवरी, 1950** को **लागू** हुआ।
- संविधान में संशोधन का अधिकार भी संसद को ही प्राप्त है। संविधान में **न्यायपालिका**, भारत के **नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, लोक सेवा आयोगों और मुख्य निर्वाचन आयुक्त** की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए प्रावधान है।
- **मूल अधिकार:** संविधान में छह प्रकार की स्वतंत्रताओं की मूल अधिकारों के रूप में गारंटी दी गई है, जिनकी सुरक्षा के लिए न्यायालय की शरण ली जा सकती है। संविधान के **तीसरे** भाग, अनुच्छेद **12 से 35** तक, में मौलिक अधिकारों का उल्लेख किया गया है। ये मूल अधिकार हैं - **(1) समानता का अधिकार, (2) विचारों की अभिव्यक्ति, (3) शोषण से रक्षा का अधिकार, (4) अंत:करण की प्रेरणा तथा धर्म को निर्बाध रूप से मानने, उसके अनुरूप आचरण करने ओर उसका प्रचार करने की स्वतंत्रता का अधिकार, (5) नागरिकों के किसी भी वर्ग को अपनी संस्कृति, भाषा और लिपि का संरक्षित करने तथा अल्पसंख्यकों द्वारा पसंद की शिक्षा ग्रहण करने एवं शिक्षा संस्थानों की स्थापना करने और उन्हें चलाने का अधिकार, और (6) मूल अधिकारों को लागू कराने के लिए संवैधानिक उपायों का अधिकार।**
- **मूल कर्त्तव्य:** सन् 1976 में पारित संविधान में 42वें संशोधन के अंतर्गत नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्यों का उल्लेख किया गया है। ये कर्त्तव्य संविधान के **भाग चार** के **अनुच्छेद 51 क** में दिए गए हैं।
- **राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत:** संविधान में निहित राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत यद्यपि न्यायालयों द्वारा लागू नहीं कराए जा सके, तथापि वे देश के प्रशासन का मूलभूत आधार हैं और सरकार का यह कर्त्तव्य है कि वह कानून बनाते समय इन सिद्धांतों का पालन करे।
- **राष्ट्रपति:** राष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचन मंडल के सदस्य **आनुपातिक प्रतिनिधित्व** प्रणाली के आधार पर **एकल हस्तांतरणीय मत** द्वारा करते हैं। इस निर्वाचक मंडल में संसद के दोनों सदनों तथा

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

राज्यों की विधानसभाओं के **निर्वाचित** सदस्य होते हैं। राज्यों के बीच आपस में समानता तथा राज्यों और संघ के बीच समानता बनाए रखने के लिए प्रत्येक मत को उचित महत्त्व दिया जाता है। राष्ट्रपति संविधान के **अनुच्छेद 61** के प्रावधान के तहत स्वहस्तलिखित पत्र द्वारा त्याग पत्र दे सकते हैं।

- ❖ **उपराष्ट्रपतिः** उपराष्ट्रपति का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा एक निर्वाचन-मंडल के **सदस्य** करते हैं। निर्वाचक-मंडल में दोनों सदनों के सदस्य होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 67 (ख) में निहित कार्यविधि द्वारा उसे पद से हटाया जा सकता है।
- ❖ **मंत्रिपरिषदः** मंत्रिपरिषद में **चार** तरह के मंत्री होते हैं - वे मंत्री, जो **मंत्रिमंडल** के सदस्य होते हैं; **राज्य मंत्री**, जो विभाग का **स्वतंत्र रूप से कार्यभार संभालते हैं; राज्य मंत्री तथा उपमंत्री**।
- ❖ **विधायिकाः** संघ की विधायिका को संसद कहा जाता है। इसमें **राष्ट्रपति, लोकसभा तथा राज्यसभा** शामिल हैं।
- ❖ **राज्यसभाः** संविधान के अनुसार राज्यसभा में सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 होगी। इनमें से 12 राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होंगे।
- ❖ इस समय राज्यसभा के **245 सदस्य** हैं। इनमें से **233 सदस्य** राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं और **12 सदस्य** राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत हैं।
- ❖ **लोकसभाः** लोकसभा में सदस्यों की अधिकतम सख्या अब **552** होगी। इनमें **530** सदस्य राज्यों का और **20** सदस्य केंद्रशासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस समय लोकसभा के **545** सदस्य हैं। इनमें से **530** सदस्य राज्यों से तथा **13** सदस्य केंद्रशासित प्रदेशों से सीधे चुने गए हैं तथा **दो** सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए गए हैं, जो आंग्ल-भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। **84वें** संविधान संशोधन विधेयक के तहत विभिन्न राज्यों में लोकसभा की वर्तमान सीटों की कुल संख्या का निर्धारण 1971 की जनगणना के आधार पर किया गया है तथा **2026** तक इसमें कोई फेरबदल नहीं किया जाएगा।
- ❖ अब तक **15 लोकसभाएं** गठित की जा चुकी है।
- ❖ **संसद के कार्य और अधिकारः** संसद को राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, मुख्य चुनाव आयुक्त और नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की संविधान की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनके पदों से हटाने का अधिकार प्राप्त है।
- ❖ [illegible] 1 जून, 2010 से 30 अप्रैल 2011 की अवधि के दौरान संसद के दोनों सदनों द्वारा 36 विधेयक पारित किए गए।
- ❖ **संसदीय समितियांः** दोनो सदनों की समितियां संविधान के अनुच्छेद 118(1) के अंतर्गत दोनों सदनों द्वारा निर्मित नियमों के तहत अधिनियमित होती है।
- ❖ **स्थायी समितियां** - लोकसभा की स्थायी समितियों में **तीन वित्तीय समितियों, यानी लोक लेखा समिति, प्राक्कलन समिति तथा सरकारी उपक्रम समिति** का विशिष्ट स्थान है और ये सरकारी खर्च और निष्पादन पर लगातार नजर रखती हैं। **लोक लेखा समिति तथा सरकारी उपक्रम समिति में राज्यसभा** के सदस्य भी होते हैं, लेकिन प्राक्कलन समिति के सभी सदस्य लोकसभा से होते हैं।
- ❖ इन तीन वित्तीय समितियों के अलावा, लोकसभा की नियमों के बारे में समिति ने विभागों से संबंधित **17** स्थायी समितियां गठित करने की सिफारिश की थी। इसके अनुसार **8 अप्रैल , 1993** को इन **17** समितियों का गठन किया गया। **जुलाई 2004** में नियमों में

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

ONLINE COACHING FOR IAS EXAMS

Online Coaching for IAS PRE GS 2015

What candidate will get:

1. All the relevant and required materials of subjects mention in the GS syllabus like:

- 100% IAS Exam Syllabus Covered with MCQs.
- History of India and Indian National Movement.
- Indian and World Geography - Physical, Social, Economic Geography of India and the World.
- Indian Polity and Governance - Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues, etc.
- Economic and Social Development -Sustainable Development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector initiatives, etc.
- General issues on Environmental Ecology, Bio-diversity and Climate Change - that do not require subject specialisation
- General Science.
- Current Affairs.

2. Home assignment: where Multiple Choice Questions of the learned chapters will be given for self evaluation.

3. Important current affairs materials for civil services preliminary examination will be provided

4. Online Tests will be conducted after the end of each subject.

5. At the end of your course, five comprehensive test will be conducted to evaluate your performance.

Click Here to Join IAS (Pre.) Online Coaching:

http://iasexamportal.com/civilservices/courses/ias-pre/csat-paper-1

G.S. FOUNDATION COURSE (PRELIMINARY+ MAINS)

Dear Aspirants,
The Indian Civil Services examination is conducted by the Union Public Service Commission (UPSC) every year.

The competitive examination comprises of three stages :

- Preliminary Examination – (Objective Test)
- Main Examination (Written)
- Interview Test

The examination schedule is announced during January - February.

The Preliminary held in May-June and the results are announced in July-August.

The Main examination held in October-November and the candidates those who qualify at this stage are invited to the interview in March-April next year.

We will provide you:

- BOOKS
- STUDY KITS
- MAGAZINES
- Mock Test Papers
- Monthly Magazine- Civil Services Mentor
- Gist of Important Newspapers
- Free Access to Online Coaching at IASEXAMPORTAL
- Previous Year paper's with solution
- Previous Year question's trend analysis
- Free Login Access worth Rs 1999 for IAS PRE 2015
- Free Gist Subscription worth Rs 449
- Free Weekly Subscription worth rs 399
- TELEPHONIC/EMAIL GUIDANCE WITH COURSE CO-ORDINATOR

For More Information Click Given below link:

http://iasexamportal.com/civilservices/study-kit/ias-pre/general-studies-foundation-course

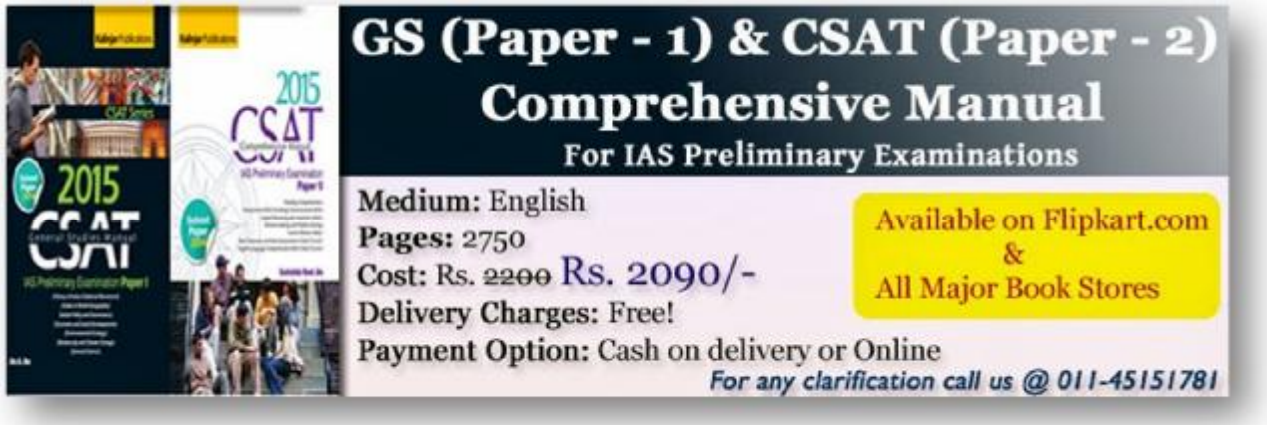

General Studies (Paper - 1) & CSAT (Paper - 2) Comprehensive Manual: IAS Preliminary Examination 2015, (Set of 2 Books)

BOOK DETAILS

Medium: English

Price: Rs. ~~2200~~ Rs. 2090/-

Publisher: Kalinjar Publications

ISBN NO: 9789351720485

TOPICS OF THE BOOK

CSAT General Studies Manual (Paper - 1)

1. Indian History
2. Indian Polity
3. Indian Economy
4. Geography
5. General Science
6. Environment
7. General Knowledge
8. MCQ For Practice

CSAT Comprehensive Manual (Paper - 2)

1. **SOLVED PAPER - 2014**
2. **SOLVED PAPER - 2013**
3. **SOLVED PAPER - 2012**

- **COMPREHENSION & ENGLISH LANGUAGE COMPREHENSION**
- **INTERPERSONAL & COMMUNICATION SKILLS & DECISION MAKING & PROBLEM SOLVING**
- **GENERAL MENTAL ABILITY, LOGICAL REASONING & ANALYTICAL ABILITY**
- **BASIC NUMERACY**
- **DATA INTERPRETATION & DATA SUFFICIENCY**
- **MCQ For Practice**

For Full Information about Books Click below Link:
http://iasexamportal.com/civilservices/books/combo-csat-paper-1-2

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

संशोधन किया गया, ताकि ऐसी ही **सात** और समितियां गठित की जा सकें।

- प्रत्येक सदन में अन्य स्थायी समितियां, उनके कार्य के अनुसार इस प्रकार विभाजित हैं – **(1) जांच समितियां, (2) संवीक्षण समितियां (3) सदन के दैनिक कार्य से संबंधित समितियां, (4) अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण की समिति, (5) सदस्यों को सुविधाएं प्रदान करन संबंधी समितियां, (6) संसद सदस्यों के वेतन और भत्ते संबंधी संयुक्त समिति, (7) लाभ के पदों संबंधी संयुक्त समिति, (8) पुस्तकालय समिति, (9) महिला अधिकारिता समिति, (10) 4 मार्च, 1997 को राज्यसभा की आचार संहिता समिति गठित की गई। लोकसभा की आचार-संहिता संबंधी समिति 16 मई, 2000 को गठित की गई। इसके अलावा विशेष मामलों के लिए अस्थायी आधार पर अनेक तदर्थ समितियों का भी गठन किया जाता है।**
- **संसद में विपक्ष के नेता:** संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष के नेता की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष के नेताओं को वैधानिक मान्यता दी गई है।
- **सलाहकार समितियां:** संसदीय कार्य मंत्रालय, विभिन्न मंत्रालयों से संबद्ध सलाहकार समितियों का गठन करता है, जिसमें दोनों सदनों के सदस्यों को शामिल किया जाता है। मंत्रालय का मंत्री, प्रभारी राज्यमंत्री संबद्ध सलाहकार समिति का अध्यक्ष होता है।
- षरुद्धष फक प्ह ह -छ मः य ,ह 1961 -ए रु रुद्धंद्धं यफ ठ त्र्-ए्र रुठयफ त्र्ए . :छरु यत्रु ए द्धए्ट ,ह :-: ' ह रुठयत्र्-ए्र :ठत्ह द्धंद्धक द्धं यत्र्ए द्धठ फद्धः :रुयत्र्ए ह यझ रु
- द्धठ फ द्धः :रु ह 'य रु ह द्धं यरुह 10 ष :श्र रु ह द्धं यफ 30 रु द्ृझएह ठ एद्ध ह-ए्र 'ह एए ढफ द्धठ फ द्धः :रु ह 'ह त्र्एप रुह ह फ झ ठ एद्ध ह-ए्र ।ड ह-ए्र द्ध ह द्धठ फ द्धः :रुयत्र्ए ढक।झ ह फ :ध्यहप रुह रु
- 15-उठ एद्ध ह-ए्र ।ड ह-ए्र ६,ह 16 :द्धरु' ष,ह 2009 ए :-: ' ह रुठयत्र्द्धद्ध' ङह 35 द्धठ फद्धः :रुयउ ।:डरु ह । रु 31 झ 2011 :-: ' ह द्धठ फद्धः :रुयत्र्ए 93. ड त्र्ए यए्र रु क्ष
- **संसद सदस्यों की सरकारी समितियों/बोर्डों में नामजदगी:** संसदीय कार्य मंत्रालय, संसद सदस्यों को भारत सरकार द्वारा विभिन्न मंत्रालयों में स्थापित समितियों/परिषदों, बोर्डों, और आयोग आदि में नामजद करता है।

अन्य संसदीय विषय

- **अखिल भारतीय सचेतक सम्मेलन:** संसदीय कार्य मंत्रालय समय-समय पर अखिल भारतीय सचेतक सम्मेलन आयोजित करता है। ये सम्मेलन केंद्र और राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों के सचेतकों के बीच उपयुक्त संपर्क स्थापित करने के लिए किए जाते हैं। 1952 द्धए . ह रु ह 15-उ :म ठह षरुयफ द्धभए्र द्धद ए्र ह यए्र रुः यहपहभकह रु :ढी ठह द्धद ए्र 10-11 बष-षह 2011 त्र्भः ।क त्र्ए यए्र रुः य ।यह रु
- **फष ष ह हः** ह ष्यकह द्धद्धढझय ए।रुह यए्र रु ष त्र्ए हयहयए हद्ध द्धरु ठत्र् 1966-67 त्र्धठिह-ए :-र ठयत्र्ए त्र्ठ ह ह । झ रु
- ष छसफ रुफढफ 1988 त्र्-ए्र झ :-र ठयत्र्ए त्र्ए ह ठ। यए ह-ए्रहढ त्र्एद्धए्र कः यह ।य रु द्धहरुष ह 1997-98 त्र्धत्र्ए झ ए त्र्-ए्र रु।झ यकह द्धद्धढझय ए।रु ठ ह ह। ;उट हप- फ - ध्यफ:-र ठयफ-ए्र:ठटह ष ध्द्धषह :-श्-:-र ठय ए्र बएह-ए्र:ठट रु

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

- ❖ ऊ ७ष ७ ष्द्धद्धं क यझ रु ठक 'फध्ष् ए -ष्ट्ठ ट७द्धद्धद्धं ऐ ७द्धु ष७द्धद्धज - ७ःश छ ऽठ ढझ ए रु षरु७ ७ फ ः- ध्ष् ठऐ-ष् रु ठक -ष् श्र ७द्धए ६ फझ ७ युझ ७ -ष् रु। झ द्धद्धद्धऐ-ष्-द्धए ढझ ए रु ःश छ ऽठ ढ ऐध्ष् ऐ क रु७ रु
- ❖ द्धद्धद्धं क यझरु ,ः-त ७ फढझ ए। ७रु ७ ७ः-त रु७ रु ७ष क ःख्यऐ-ष् ष्ट्र७ ऐट ७ःश छ ऽठ 26.01.2011 द्धए 02.02.2011 रु ७ ढ ७ ।य७ः द्ध ए 9 द्धद्धद्धद्धं क ७ रु 01.06.2010 द्धए 30.04.2011 -ष् ६ ष ७ यक ऽ ,७ ष्द्ध ष्ठ ढए,७ ़ि एय७ फभ द्धए 6 द्धद्धद्धं क ःश छ ऽठ षरु ट७ ७ ढद्ध७ ब्ध ए ढफ ः-भ षऐ ७ ६ फझ ७ क रु
- ❖ **प्रशासनिक ढांचा:** संविधान के अनुच्छेद 77 के अंतर्गत **भारत सरकार (कार्य निर्धारण) नियम, 1961** बनाए हैं। इन नियमों के अंतर्गत ही प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों का गठन किया जाता है।
- ❖ **मंत्रिमंडल सचिवालय:** कैबिनेट सचिवालय सीधे प्रधानमंत्री के अधीन होता है। इसका प्रशासनिक प्रमुख कैबिनेट सचिव होता है जो **सिविल सर्विसेज बोर्ड** का पदेन अध्यक्ष भी है। भारत सरकार के (कार्य आबंटन) नियम, 1961 में कैबिनेट सचिवालय का स्थान नियमों की पहली सूची में है। सचिवालय को निम्नलिखित विषय आंबटित किए गए हैं- (1) मंत्रिमंडल समितियों को सचिवालय सहायता और (2) कार्य-नियम।
- ❖ कैबिनेट सचिवालय यह सुनिश्चित करता है कि सभी मंत्रालयो/विभागों की प्रमुख गतिविधियों के बारे में हर महीने एक सारांश बनाकर **राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और मंत्रियों** को उससे अवगत कराया जाए। देश में किसी बड़े संकट के समय उसका प्रबंधन करना तथा ऐसी परिस्थितियों में विभिन्न मंत्रालयों की गतिविधियों में समन्वय स्थापित करना भी कैबिनेट सचिवालय का एक काम है।
- ❖ कैबिनेट सचिव, सिविल सर्विसेज का प्रमुख भी होता हैं इसलिए विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट सचिवालय एक उपयोगी माध्यम है।
- ❖ **सरकार के मंत्रालय/विभाग:** वर्तमान में **53** मंत्रालय है, जिनमें ये कुछ प्रमुख मंत्रालय हैं –

1. **कृषि मंत्रालय**
   (क) कृषि और सहकारिता विभाग
   (ख) कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग
   (ग) पशुपालन और डेयरी विभाग
2. **वाणिज्य और उद्योग**
   (क) वाणिज्य विभाग
   (ख) औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग
3. **संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय**
   (क) दूरसंचार विभाग
   (ख) डाक विभाग
   (ग) सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
4. **रक्षा मंत्रालय**
   (क) रक्षा विभाग
   (ख) रक्षा उत्पाद और आपूर्ति विभाग
   (ग) रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग
5. **वित मंत्रालय**
   (क) आर्थिक कार्य विभाग
   (ख) व्यय विभाग
   (ग) राजस्व विभाग
   (घ) विनिवेश विभाग

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

(ङ) वित्तीय सेवाएं विभाग

6. **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**

(क) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

(ख) आयुर्वेद, योग-प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी विभाग

(ग) एड्स नियंत्रण विभाग

(घ) स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

7. **गृह मंत्रालय**

(क) आंतरिक सुरक्षा विभाग

(ख) राज्य विभाग

(ग) राजभाषा विभाग

(घ) गृह विभाग

(ङ) जम्मू और कश्मीर विभाग

(च) द्ध ວढ़झ्श्र ວः- ।

8. **युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय**

(क) युवा कार्यक्रम

(ख) खेल विभाग

9. **मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

(क) स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

(ख) उच्चतर शिक्षा विभाग

(ग) माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग

(घ) महिला और बाल विकास विभाग

10. **कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय**

(क) कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग

(ख) प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग

(ग) पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग

11. **ग्रामीण विकास मंत्रालय**

(क) ग्रामीण विकास विभाग

(ख) भूमि संसाधन विभाग

(ग) पेय जलापूर्ति विभाग

12. **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय**

(क) विज्ञान और प्रौद्योगिक विभाग

(ख) विज्ञान और औद्योगिक विकास विभाग

(ग) बायोटेक्नोलॉजी विभाग

13. **पर्यावरण और वन मंत्रालय**

14. **विधि और न्याय मंत्रालय**

(क) विधि कार्य विभाग

(ख) विधायी विभाग

(ग) न्याय विभाग

15. **युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय**

(क) युवा कार्यक्रम

(ख) खेल विभाग

राष्ट्रीय प्राधिकरण रासायनिक हथियार समझौता (कन्वेंशन)

❖ ƃ छसम्फ ढझश्र ƃ˃,ƃ द्धयः ວ ः यह ‘-ष्ट्र ວ कद्ध ै यिद्धम ວ।डວ5 झ1997 त्र् ः छद्धः- ठय -ष्ट्रढझ्रु -ວस ƃ˃ः यວ।यວ रु द्ध-ष्ट्र।डວ ວध्ज्र्य ƃ द्धयः ວ ः यह ‘-ष्ट्र ວ त्रःश्र झरु ध्ःयृ-त्र् ए ढƃວ ƃ ວ रु द्ध ‘-ष्ट्र ວ ວठथ्कः द्धວ ວद्ध्ध य ध्ष्र्ວस ƃ˃द्ध ວƃ द्धयः ວ ः यƃत्र्ष्ट्रः- द्ध,ວदृ ढध , ु य‘-य ,ວ रुरुƃ˃,ວढझफ ह ःƃ˃ວढहƃए ठ। ວ रुदृझएວध्ष्र्ວ त्र् ढ ວःƃद ष्ट्रƃ˃ः त्र्ष्टक त ວƃ छसम्फ ढझश्र ƃ˃ວ एरु -ວ।ःडरु ƃरुວ ƃ त्रृƃ द्धयः ວ ः यहढझ्र श्रद्ध।डວक ष्टद्धວ ै यिम -ष्ट्रद्ध ວढझ -ວद्धढ-झत -ॅद्ध ‘-कष्म त्र् द्धःठतວ- ः छ द्धः- ठक-ष्ट्रढझ द्धः ວः यरु˃ວ त्रृƃ छसम्फ ढझश्र ƃ˃, ƃ द्धयः ວ ः यह ‘-ष्ट्र ວ।ःडरुः यວ।यວ रु

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

- ष छसफ़ढज्ञश्र ष्र्न्ट न्र्26 -द़ ष्ठ2010 न्रैएयष्न्र्म ष्छद्ध स्र ष्र्न्ट ISO 9001: 2008 ढज्ञ्र्ढख :ध्य्न्ट ।य रू द्ध-ए द्ध न्टय न्ट188 ष्ठे फढ:छ्ज्ञान्र्ए न्र्ए ष्रू न्टढ ठन्टष छसा ढज्ञश्र ष्र्न्ट़ न्ट ।यन्ट रू

कार्य प्रबंधन-परिणाम ढांचा दस्तावेज (आरएफडी)

- संसद के दोनों सदनों में 4 जून, 2009 को राष्ट्रपति के संबोधन में की गई घोषणा के अनुरूप, प्रधानमंत्री से 11 सितंबर, 2009 को सरकारी विभागों के लिए कार्य निगरानी तथा मूल्यांकन प्रणाली (परफॉर्मेंस मॉनीटरिंग एंड इवेल्युएशन सिस्टम पीएमईएस) की रूपरेखा स्वीकृत की। कैबिनेट सचिवालय का कार्य प्रबंधन विभाग परिणाम ढांचा दस्तावेज (आरएफडी) के नाम से जानी जाने वाली प्रणाली के जरिए इस गतिविधि के लिए उत्तरदायी है।
- प्रथम चरण में शामिल सभी 59 मंत्रालयों/विभागों ने 2009-10 की अंतिम तिमाही के लिए अपने आरएफडी को अंतिम रूप दे दिया और इस अवधि की अपनी उपलब्धियों का मूल्यांकन कर लिया है। इस पहल के क्रियान्वयन के चरण में, 62 विभागों तथा मंत्रालयों ने दस्तावेज परिणाम ढांचा 2010-11 के लिए तैयार कर लिया है जिनकी तदर्थ कार्य बल ने समीक्षा कर ली है और सरकारी निष्पादन पर उत्तराधिकार समिति ने स्वीकृति दे दी है।
- सरकार में निष्पादन प्रबंधन पर क्षमता निर्माण दिशा में, आईआईएम हैदराबाद तथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय अकादमी, मसूरी के सहयोग से देशभर में 24 कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं। प्रशिक्षण सामग्री और नियमावली भी तैयार कर बांटी गई है।

(i) द्वितीय एआरसी-सिफारिशों का क्रियान्वयन

'भारत सरकार का संगठनिक ढांचा' पर प्रशासनिक सुधार आयोग-II (एआरसी) ने अपनी रिपोर्ट के साथ सिफारिश की कि सरकार को 'केंद्रीय कार्यों पर प्रमुख फोकस करना चाहिए और यह सभी स्तरों पर गौणता के सिद्धांत से दिशा निर्देशित होनी चाहिए।

(ii) निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीआरआई)

सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में कर्मचारियों के निष्पादन सुधार में प्रोत्साहनों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। योजना वैयक्तिक कर्मचारी स्तर तथा टीम/समूह स्तर पर लागू होती है। योजना के दो भाग हैं–एक भाग व्यक्ति के निष्पादन को मापता है, दूसरा भाग निष्पादन को वित्तीय प्रोत्साहनों से जोड़ता है।

(iii) अन्य देशों की सहायता

सार्क के अनुरोध पर, केबिनेट सचिवालय (भारत) ने पीएमईएस/आरएफडी पर एक सार्क कार्यशाला का आयोजन किया।

(iv) 'परफोर्मेस मैटर्स' न्यूज लैटर

सरकार में निष्पादन प्रबंधन संबंधी मामलों पर नियमित बातचीत को गति प्रदान करने की दिशा में और इस क्षेत्र में ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देने के लिए पीएमडी और कैबिनेट सचिवालय अप्रैल 2009 से 'परफोर्मेस मैटर्स' नाम से एक त्रैमासिक न्यूजलैटर प्रकाशित कर रहा है। हाल ही में, अप्रैल 2009 से अब तक के सभी अंकों वाला एक संग्रह निकाला गया है।

लोक शिकायतें

- :- ﬁ न्र्ए ष्रूद्धष्ठ ष्ठ-ष्र् रु्ठयर्:- ।न्र्एस ष्र्न्ट़ ॐ -ज्ञद्धस्न्ट ध्एम्र्ए-ष्र् :ठरन्टर न्टन्द्धस्ए ष्र्ष्ठ अव ॐन्ट :- :द्धरु : यन्ट रूढ:ष्यए न्ट न्ट फ्फदध्दष्फदढ ष्ठरुन्टद्ध न्टद्धए ढष्ठ श्ज्ञ ष्ठ न्टरुफ ष न्ट ष्ठद'न्र्ए ।:ष न्ट्न एत्र ढख न्र्एश : ठन्ट ष न्ट रू ष्रूद्धष्ठ ष्ठ-ष्र्द्ध'।ड न्र्ए ए द्धस्न्टढज्ञ न्ट ष न्र्ए न्र्एदृ छरुन्टठ न्र्ए-ष्र्दध्दष्फ द्धाएय

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

[illegible]

❖ [illegible]

भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) फोरम

❖ [illegible]

भारत-मलेशिया सहयोग

❖ [illegible]

भारत-चीन सहयोग

❖ [illegible]

भारत-सिंगापुर सहयोग

❖ [illegible]

[illegible]

प्रलेखन तथा प्रसार

❖ [illegible]

❖ [illegible]

सूचना का अधिकार

❖ [illegible]

❖ [illegible]

❖ [illegible]

www.upscportal.com

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

[illegible]

केंद्रीय हिंदी समिति

- [illegible]

पुरस्कार योजनाएं

- [illegible]

अंतर्राष्ट्रीय परिषद (आईएससी)

- [illegible] 28 [illegible] 1990 [illegible] 1990 [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 2005 [illegible]

प्रशासनिक ट्रिब्यूनल

- [illegible]

राज्यपाल

- [illegible] 371 [illegible]

निर्वाचन आयोग

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

सरकारी सेवाएं

- **अखिल भारतीय सेवाएं:** संविधान के अनुच्छेद 312 में ऐसा प्रावधान किया गया, जिसके तहत संघ और राज्यों के लिए समान रूप से एक अथवा उससे अधिक अखिल भारतीय सेवाओं का गठन किया जा सके। भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा संविधान के अनुच्छेद 312 के संदर्भ में संसद द्वारा गठित की गई हैं। संविधान लागू होने के बाद 1966 में **भारतीय वन** सेवा के नाम से एक नई अखिल भारतीय सेवा गठित की गई। अखिल भारतीय सेवाओं की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इन सेवाओं के कर्मचारियों की भर्ती केंद्र सरकार द्वारा की जाती है, परंतु इनकी सेवाएं विभिन्न राज्यों के कैडर के तहत होती है।
- [illegible]
- आई.ए.एस. कैडर के नियंत्रण का अधिकार **कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय** के पास है।
- **केंद्रीय सचिवालय सेवाएं:** केंद्रीय सचिवालय की तीन सेवाएं हैं, यानी (1) केंद्रीय सचिवालय सेवा, (2) केंद्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा और (3) केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा। केंद्रीय ग्रेडों में नियुक्तियां ओर पदोन्नतियां अखिल सचिवालय आधार पर होती है।
- **संघ लोक सेवा आयोग:** संविधान में केंद्र सरकार के अंतर्गत सिविल पदों पर अनुच्छेद 315 के अंतर्गत ग्रुप ए और बी राजपत्रित पदों की भर्ती विभिन्न सेवा संबंधी मामलों में सलाह देने के लिए एक स्वतंत्र निकाय – संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना कि व्यवस्था की गई है।
- **कर्मचारी चयन आयोग:** कर्मचारी चयन आयोग, जिसे शुरू में अधीनस्थ कर्मचारी सेवा आयोग कहते थे, का गठन 1 जुलाई, 1978 को किया गया। आयोग का मुख्यालय और उसके उत्तरी क्षेत्र का कार्यालय नई दिल्ली में है।
- [illegible]

सिविल सेवाएं सुधार

- [illegible] 2008 [illegible] (i) [illegible] (ii) [illegible] (iii) [illegible] (iv) [illegible] (v) [illegible]

सेवाओं में आरक्षण

- [illegible] 15 [illegible] 7.5 [illegible] 27 [illegible]

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

ढक्षय एारु-ए ठ-ा :म ठा ष्रुक श्रफ ढष्ठ द्वश्रा रुक्षएा ष्ठदेा ९ा-एःठता 16.66 ढक्षश रु, ९९ा-एःठता 7.5 ढक्षश रु रु ा :ढ-ा-एःठता 25.84 ढक्षश रु इढठै श्र रू

- ढ-झ झष्रु ाश ष:ष ाहढ द्वुए थ ापः इरुयए-ए :ठता ष्ठदेान्द्व रुठअ ष्ठदेारु ा ९ ९९ारु :ढ-ा-ए ष्ठदेानु'ाहढअ ष्ठदेा ठ रुा रूनु' हढअ ष्ठदेा-ए क ठएन्द्व रुठा ष्ठदेअ ए: द्व ढझ फ द्व यएरु: या९त।ा द्व ापमया ष्ठरुए :ध्ा: ध्क्ष ९ध रू
- : द्वुष्ठे कयाद्वुा श :द्वुरु थक्ष-एद्व' श्र ए ा ९ रु ा ९ा एा द्व ाढःष ाद्व-श्र ा ाश्रष्ठ 341 रु ा 242 ष्ठरुा रू द्वुए ए ए ष्ठदेा-एइजाफ द्वुए न्ड-झ झषअ ाढःष ानइद्वुफ्द्व-द्व एअफ फ'ठ च ए ाद्वु-ठद्वु-द्वुएत'ाढ एप्रहठ्ठि 1979 एछा। झ श षःष ाहढ द्वुए थ ापः इरुयए ा ष्ठदेा श रुपढद्वुझ :-ध:. द्वुए :ठछ९ाकइ-ठ ढ ग्मझ छ९ ढझुश ा ब ष छद्वुत'ाढकाढ :छढ्द्वुद्वुए मतइछ 1995 द्वुएा। झ

कर्मचारी चयन आयोग

- यफ ा क्यठक फइद्व-एइ/ष्ठथक्ष ा यझय क्षधठिा एरू द्व-एथक्षक यझफ़ु शल ठ. इ, .च झ ए रु ।क छ भए झ फ. 'ठा ए रू द्व-एइढफक्षक यझकषयढफ फभ! ।का ए रू

प्रशासनिक सुधार

- ष :ष ठ एए-एःठता -फ एहक्लद्व :ढझ षए-एःठता 21 ढक्ष एःद्व-ठ द्वुएा :ध-द्व न एरु : या।या ा फ 2006 द्वुएढ्झएा- झ द्वुए या९ ष ा रू 21 ढझ 2011 एी डा:द्व-ठ द्वुएा:ध-द्व यएरु: या।यरू द्व -द्वुढफढझ छा एए ढझ द्वा ए2009-10 -एःठता रु ा-।प्पःइ-ाद्व रु ाद्व।डा ए छरुाढफ फःध्त रू

- ऋ ष कश्रुरुा: ठफढझ द्व ाढझठा ए ठाद्वुझ फठ एएःठता:- रुषै ठ:ढक्ष रुयफ ष एए :ठतॅ ा-षढा एठा ा श्रथरुा ए31 ।रु, 2005 ए:रुरुक ढझ द्व ाद्वुझ फ यफक ष्द्वुम ा।डात ा९ भ यफ-एहढ ए: या।यरू यफद्वुद्वु फ-एद्व ा रु एढ्फधए-एःठता; यश ठ, इ/ष्ठय :द घष: फरु ाइथ ढझ द्व ाढझरु षए -एःठता इढक द्वुझ ए ा षक्ष: या।या रू यफ एद्वु फ ए-भष झ5 :ष्ठ छक्षढ्झक ा रू
- द्वु फ ए:रुरुकत ष्द्वु ा:द्वुब :ष्ठश एढफ :-भष षए-एःठता 30 भझ 2007 ए:-धए छा श्रथरुा ए :ख्यए ात ाद्व ाक एम।:डरु : यरू 21ा बष-ष्ठा 2011ा ा९ त ा ए भष ।डा क ा रू
- ष ष ड ाष :ष ष ष्ठ ष 15 श ा:ष ाश ष ष :ष ा ष भ (1) द्वुभ ा ा :श्र ष गी घ श द्वा-एःठता छफ भ. ाकढझ ा:ष्ठढ छक्षक (2) - ढ९ ा ाइढयएल इष्ठा फश द्व। ष्ठए ाद्वुद्व' :श्ररु त ा श्रय ाकरुरुक :ष्ठढ छक्ष (3) ढइ ाढ्झश्र ल: षश द्वुए श ा रु ाकरुक :ष्ठढ छक्ष (4) श द्वा ए :रु रु क ा :ष्ठढ छक्ष (5) कश द्वा की डा :ष्ठढ छक्ष (6) :-षक्ष द्व' ढि-एःठता थ रुा: झ कद्वरु-ा :ष्ठढ छक्ष (7) ।:ष ा-एइक्ष ढझ द्व। श द्वा ाक्षध्क का2-' :ष्ठढ छक्ष (8) द्व :९ ाढ९ ।त ाद्वुला घ्क क ' :ष्ठढ छक्ष (9) ष्ठरु द्वु फ ाद्व'।डः ावभाकए-' :ष्ठढ छक्ष (10) झश द्वा ए वप ।रुफष रुा ए कझष-ा :ष्ठढ छक्ष रु ा (11) ष्ठे क रु ा :९ठा ढझ द्व कढइझ-ा :ष्ठढ छक्ष ा :ष्ठढ छए ढफ ९ ए ा-एः ाझ ; य'-या ा:-: 'ा - एए रून रु' -छद्वुए ठ.णक्ष ड-ा :ष्ठढ छक्ष।फ छठक रुष्ठाठ फ ा९ ष ा रू द्वुढझ ष ारु ाद्व ा13 :ष्ठढ छझ- रू ९ाभका रू. ारुए:ष्ठढ छएचन्झ ा९ एा

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

- :रू-ए:ठत्ऽष्म्रूए ऽष ऽ रू

❖ ध्ढयझरू ध्म ष ऽ :ष्ढ छ्रूए रूए ऽ । झ क्र 1251 :द्धब :ष्श ए रूएद्धए 1005 :द्धब :ष्श्रूए - ष्ठ ष्ठ ठ ऽ । झ ;ऽ 180 - :रू ऽ ऽ । झ22 :।रूरु ऽ21 'फब ए -एढ द्ध एऽ ध्ऽ । झ 433 :द्धब :ष्श रूएढष्ठ यझ ऽ ए । झ ऽ ष्ठ 572 :द्धब :ष्श्रूएु य '-य ऽ -ए रु।झ रू 23 :द्धब :ष्द्धरूएढष्ठ ।ळ रू ठयकस ष्ऽ यझ ऽ ऽष ऽष रू

❖ **राजभाषा - संवैधानिक/वैधानिक प्रावधान:** हिंदी, संविधान के अनुच्छेद 343(1) के अनुसार, संघ की राजभाषा है।

❖ **नीति:** संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए आठ क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय स्थापित किए गए हैं।

❖ **समिति:** राजभाषा संसदीय समिति का गठन 1976 में किया गया। इसका गठन सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग की प्रगति की समीक्षा करने और उसकी रिपोर्ट राष्ट्रपति को देने के लिए किया गया था। इसमें लोकसभा के 20 और राज्यसभा के 10 सदस्य हैं।

❖ **केंद्रीय हिंदी समिति** का गठन सन् **1967** में किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं। यह नीति निर्माण की सर्वोच्च संस्था है, जो राजभाषा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के बारे में दिशा निर्देश तय करती है।

❖ **पुरस्कार योजनाएं: इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार** योजना 1986-87 से शुरू की गई है।

❖ आधुनिक ज्ञान के सभी विषयों के बारे में हिंदी में पुस्तक लेखन को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2000-2001 से राष्ट्रीय पुरस्कार योजना शुरू की गई। यह योजना सभी नागरिकों के लिए है।

❖ **प्रशिक्षण:** हिंदी भाषा में प्रशिक्षण देने के लिए 163 पूर्णकालिक और 47 अंशकालिक केंद्र हैं।

❖ 31 अगस्त, 1985 को **केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान** की स्थापना की गई। मार्च **1971 में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो** की स्थापना की गई थी।

❖ **तकनीकी:** कंप्यूटर पर राजभाषा के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए अक्टूबर, 1983 में राजभाषा विभाग में एक तकनीकी कक्ष की स्थापना की थी।

❖ **प्रकाशन:** राजभाषा विभाग ने **''राजभाषा भारती''** त्रैमासिक पत्रिका निकाली है।

❖ **नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक:** नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। राष्ट्रपति नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की सलाह पर संघ और राज्य का लेखा-जोखा रखने के लिए प्रपत्र निर्धारित करते हैं।

❖ **प्रशासनिक ट्रिब्यूनल:** प्रशासनिक ट्रिब्यूनल अधिनियम, 1985 का पारित होना पीड़ित सरकारी कर्मचारियों को न्याय दिलाने की दिशा में एक नया अध्याय था। प्रशासनिक ट्रिब्यूनल्स अधिनियम का स्रोत, संविधान का **अनुच्छेद 323 क** है। मार्च, 1997 के निर्णय के परिणामस्वरूप प्रशासनिक ट्रिब्यूनल के फैसले के विरूद्ध संबंधित उच्च न्यायालय की खंडपीठ में अपील की जाएगी।

❖ अधिनियम में केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल (सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल - सी.ए.टी.) - केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल पहली नवंबर, 1985 को स्थापित किया गया। आज इसकी **17** नियमित पीठ हैं, जिनमें से **15** उच्च न्यायालयों के मुख्य स्थान पर हैं और शेष दो **जयपुर और लखनऊ** में हैं।

❖ **कार्यपालिका राज्यपाल:** नागालैंड के मामले में संविधान के अनुच्छेद **371 'ए'** के अंतर्गत राज्यपाल को कानून-व्यवस्था के बारे में विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है।

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

- अरूणाचल प्रदेश के मामले में संविधान के **अनुच्छेद 371 'एच'** के अधीन कानून-व्यवस्था तथा उससे संबंधित कार्यों को निपटाने में राज्यपाल का विशेष दायित्व है।
- असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजातीय इलाकों पर लागू होने वाली **छठीं अनुसूची** के पैरा 20 में किए गए उल्लेख के अनुसार, जिला परिषद् और राज्य सरकार के बीच रॉयल्टी के बंटवारे से संबंधित मामलों में राज्यपाल को अपने विवेक का इस्तेमाल करने के अधिकार दिए गए हैं।
- सिक्किम के राज्यपाल को राज्य में शांति तथा जनता के विभिन्न वर्गों के लोगों की सामाजिक और आर्थिक उन्नति का विशेष उत्तरदायित्व सौंपा गया है।
- **विधानमंडल:** बिहार, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में विधानमंडल के **दो सदन** हैं, जिन्हें विधानपरिषद् आर विधानसभा कहते हैं।
- **विधानपरिषद्:** प्रत्येक राज्य की विधान परिषद् के सदस्यों की कुल संख्या राज्य के विधानसभा के सदस्यों की कुल संख्या के **एक-तिहाई** से अधिक तथा किसी भी स्थिति में **40** से कम नहीं होगी और अधिक से अधिक **100** होगी जम्मू-कश्मीर विधान परिषद् में **36** सदस्य है।
- **विधान सभा:** किसी राज्य की विधानसभा में अधिक-से-अधिक 500 तथा कम-से-कम 60 सदस्य होते हैं (संविधान के अनुच्छेद 371 'एफ' के अनुसार, सिक्किम विधानसभा में 32 सदस्य है।)
- **अधिकार और कार्य:** राज्य विधानमंडलों को संविधान की सातवीं अनुसूची -।। में वर्णित विषयों पर पूर्ण अधिकार तथा उनकी सूची-।।। में दिए गए विषयों पर केंद्र के साथ मिले-जुले अधिकार प्राप्त हैं।
- **केंद्रशासित प्रदेश:** केंद्रशासित प्रदेशों का शासन राष्ट्रपति द्वारा चलाया जाता है। अंडमान-निकोबार, दिल्ली और पांडिचेरी के प्रशासकों को **उपराज्यपाल** कहा जाता है, जबकि **चंडीगढ़ का प्रशासक मुख्य आयुक्त** कहलाता है। दादर और नगर हवेली का प्रशासक दमण और दीव का कार्य भी देखता है। लक्षद्वीप का अलग प्रशासक है।

स्थानीय प्रशासन

- **नगरपालिकाएं:** सर्वप्रथम पूर्व-प्रेसीडेंसी शहर मद्रास में नगर निगम की **स्थापना 1688** में की गई। उसके बाद **1726** में इसी तरह के नगर निगम मुंबई और कोलकाता में स्थापित किए गए।
- स्थानीय शहरी निकायों के लिए संसद ने 1992 में नगरपालिकाओं से संबंधित संविधान (74वां संशोधन) अधिनियम, 1992 पारित किया। संविधान में नगरपालिकाओं के संबंध में एक नया खंड IX-क जोड़ दिया गया है।
- **पंचायतें:** संविधान के **अनुच्छेद 40** में दिए गए राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों में यह व्यवस्था की गई है। कि राज्य ग्राम पंचायतों के गठन के लिए कदम उठाएगा।
- संविधान में पंचायतों से संबंधित एक नया खंड जोड़ा गया है।
- **निर्वाचन आयोग:** भारत का निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण है। इसकी स्थापना 1950 में हुई है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों के अधिनियम, 1991 में संशोधन किया गया तथा यह व्यवस्था की गई कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों के अधिकार समान होगे और दोनों को एक समान वेतन, भत्ते और वे सभी सुविधाएं मिलेंगी, जो भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को मिलती हैं।
- संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत विशेष

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

Buy Current Affairs Books in Hard Copy:
iasexamportal.com/civilservices/books/current-affairs

प्रावधानों के जरिए निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता तथा कार्यपालिका के हस्तक्षेप से उसकी रक्षा की गई है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को केवल उन्हीं परिस्थितियों में हटाया जा सकता हैं जिनमें उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश हटाए जा सकते हैं, अन्य निर्वाचन आयुक्तों को केवल **मुख्य निर्वाचन आयुक्त** की सिफारिश पर ही हटाया जा सकता है।

- **संशोधनः** संसद द्वारा 22 मार्च 2003 को चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम 2003 और चुनाव आचार संहिता (संशोधन) कानून, 2003 पारित किये, जो कि 22 सितंबर, 2003 प्रभाव में आए। इन कानूनों के जरिए अर्धसैनिक बलों के कर्मचारियों और उनके संबंधियों को **प्रॉक्सी मतदान** की सुविधा मिल गई।
- चुनाव तथा उससे संबंधित अन्य कानून (संशोधित) विधेयक, 2003 (46वां संशोधन) संसद द्वारा 11 सितंबर, 2003 को पारित किया गया। इस संशोधन के जरिए मुख्य कानून में दो नई धाराएं **29बी और 29सी** को शामिल की गई जिसमें प्रावधान किया गया कि किसी भी व्यक्ति, संस्था द्वारा किसी राजनीतिक दल को **20,000** रूपये से अधिक चंदा दिए जाने की सूचना निर्वाचन आयोग को दी जाएगी।
- संसद ने 1 जनवरी, 2004 को निर्वाचन क्षेत्र सीमांकन विधेयक (संशोधित) 2003 पारित किया, निर्वाचन क्षेत्रों का सीमांकन 2001 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा।
- संसद द्वारा 28 अगस्त, 2003 को जनप्रतिनिधि (संशोधन) कानून, 2003 पारित किया गया जिसमें राज्यों की विधान परिषदों के चुनाव के लिए **खुली मतदान** की प्रणाली लागू करने का प्रावधान किया गया है।
- **इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमालः** संसद द्वारा 1989 में जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का इस्तेमाल करने संबंधी संशोधित विधेयक पारित किया गया। आम चुनाव 2004 में पहली बार पूरे देश में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया।
- **राजनीतिक दलः** चुनावों के लिए **छह** राष्ट्रीय पार्टियां, **45** राज्य स्तर की पार्टियां, और **702** पंजीकश्त पार्टियां चुनाव मैदान में थी।

Click Here to Buy Current Affairs for IAS, State PCS, SSC, Bank & All Other Exams
http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/current-affairs-books

THE GIST DETAILS:

- **Medium: English**
- **Price: Rs. ~~600~~ Rs. 449**
- **No. of Booklets: 12 (1 Year)**
- **Publisher: IASEXAMPORTAL.COM**
- **File Type: PDF File Only (No Hard Copy)**

TOPICS OF THE GIST

- **Gist of The Hindu**
- **Gist of Yojana**
- **Gist of Kurukshetra**
- **Gist of Press Information Bureau**
- **Gist of Science Reporter**

For Full Information Click Here:

http://iasexamportal.com/civilservices/order-form/the-gist-subscription

WHY IS IT A WIN-WIN SITUATION FOR THE STUDENTS?

- You will be provided current affairs on various important topics on a weekly basis.
- Important national and international news from various sources at a single platform for your convenience.
- Each and every topic will be given point wise , making it easier to grasp.
- Very handy when it comes to various competitive exams…..

VARIOUS CATEGORIES:

- **Planning Commission**
- **Ministry of External Affairs**
- **National Portal of India**
- **National**
- **International**
- **Economy**
- **India And The World**
- **Sports**
- **In The News**
- **Science and Technology**
- **Burning Issues (Editorials From Different Newspapers)**

WHAT YOU WILL GET:

- **You will get (52 Issues) PDF Only no Hard Copy**

For Full Information Click Here:

http://iasexamportal.com/civilservices/current-affairs/weekly-update

Current Affairs for IAS, Civil Services, SSC, IBPS & All Other Examinations

BOOK DETAILS

Medium: English

Price: **Rs. ~~350~~, Rs. 280**

Pages: 437

Publisher: Kalinjar Publications

ISBN: 9789351720454

TOPICS OF THE BOOK

- National Issues
- International Issues
- India & the World
- Economy
- Science and Technology
- Sports
- Awards & Prizes
- In the News
- MCQ's

Click Here to Buy Current Affair in Hard Copy:

- **Buy Form Flipkart:**
  http://www.flipkart.com/current-affairs-civil-services-examination-english-1st/p/itmeftb7j9z7hkwu?affid=kalinjarqm
- **Buy Form Amazon:**
  http://www.amazon.in/Current-Affairs-Civil-Services-Examinations/dp/9351720454/ref=as_sl_pc_tf_til?tag=upscportal-21&linkCode=as1&creativeASIN=9351720454
- **Buy Form Paytm:**
  https://paytm.com/shop/p/current-affairs-for-civil-services-examinations-9789351720454_20563